प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2016 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के बी0एल0ए0–ए0टी0एल0एस0 वर्कशाप के अंतर्राष्ट्रिय प्रशिक्षण सेंटर (ITC) का शुभारंभ किया गया। के0जी0एम0यू0 द्वारा अब अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (AHA) द्वारा प्रमाणित बीएलएस और एटीएलएस की वर्कशाप का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम में संस्थान के कुलपति पद्मश्री प्रो0 रवि कांत जी द्वारा बी0एल0एस0 और ए0टी0एल0एस0 की महत्ता पर जोर देते हुए कहा गया कि इसको प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए तथा बी0एल0एस0 का प्रशिक्षिण स्कूल लेवल पर क्लास छः के बच्चों से देना शुरू करना चाहिए । जब समाज बी0एल0एस0 प्रशिक्षित लोग बढ़ेंगे तो मार्ग दुर्घटनाओं में होने वाली मौतो को कम किया जा सकता है क्यों कि सबसे पहले किसी भी दुर्घटना में पेशेंट को चिकित्सकीय सहायता मिलने से पहले स्टेबल करना महत्वपूर्ण होता हैं, उसके हॉर्ट को पंप कराना पड़ता जिससे उसके दिमाग तक खून की सप्लाई बनी रही और गर्दन को ऐसी अवस्था में रखा जाए जिससे उस को सांस लेने में परेशानी न हों। ये सब कार्य चिकित्सकीय सहायता मिलने से पहले यदि पेशेंट को मिल जाता है तो उसके बचने के चांसेज ज्यादा हो जाते है। हमें अपने नर्सो, पैरा मेडिकल स्टाफ आदि को भी को इन सब विधियों से प्रशिक्षित करना चाहिए क्योंकि सब से ज्यादा क्लीनिकल कार्य हमारी नर्से करती है। नर्से वार्डो में सबसे ज्यादा समय रहती हैं। हमार लक्ष्य है कि हम केजीएमू में धीरे–धीरे 60 ओ0टी0 को रन करें।

कार्यक्रम में उपस्थित ब्यक्तियों में प्रो0 बिना रवि, प्रो0 आशुतोष कुमार, प्रो0 विनोंद जैन, प्रो0 शैली अवस्थी प्रो0 वी0के0 भाटिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आईटीसी कोआर्डिनेटर प्रो0 रजनी गुप्ता ने के0जी0एम0यू0 के इंस्ट्रक्टरों का परिचय दिया जिनमें डॉ0 परवेज खान, प्रो0 हैदर अब्बास, डॉ0 वेद प्रकाश, डॉ0 अविनाश अग्रवाल, डॉ0 रवि प्रकाश, डॉ0 दिव्या मेहरोत्रा, प्रो0 जे0बी0 सिंह अदि हैं। तथा उन्होने बताया कि इसके अतिरिक्त लखनऊ से कई अन्य इंस्ट्रक्टर भी ट्रेंनिग देंगें।

इस अवसर पर प्रो0 आशुतोष कुमार, विभागाध्यक्ष पैथोलाजी विभाग और प्रो0 विनोद जैन डायरेक्टर के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यट ऑफ स्किल ने प्रो0 रजनी गुप्ता को इसके लिए बधाई दिया और कहा कि आज हम जिस मुकाम पर खड़े है वो हमारे कुलपति प्रो0 रवि कांत जी के नेतृत्व का ही कमाल है।